वर्ष : 1 अंक : 5 मई-जून, 2024

➤ इंजीनियरिंग रैंकिंग 2024 में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को पाचवाँ स्थान प्राप्त

➤ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में देश का पहला डिजिटल साइबर फॉरेंसिक लैब स्थापित

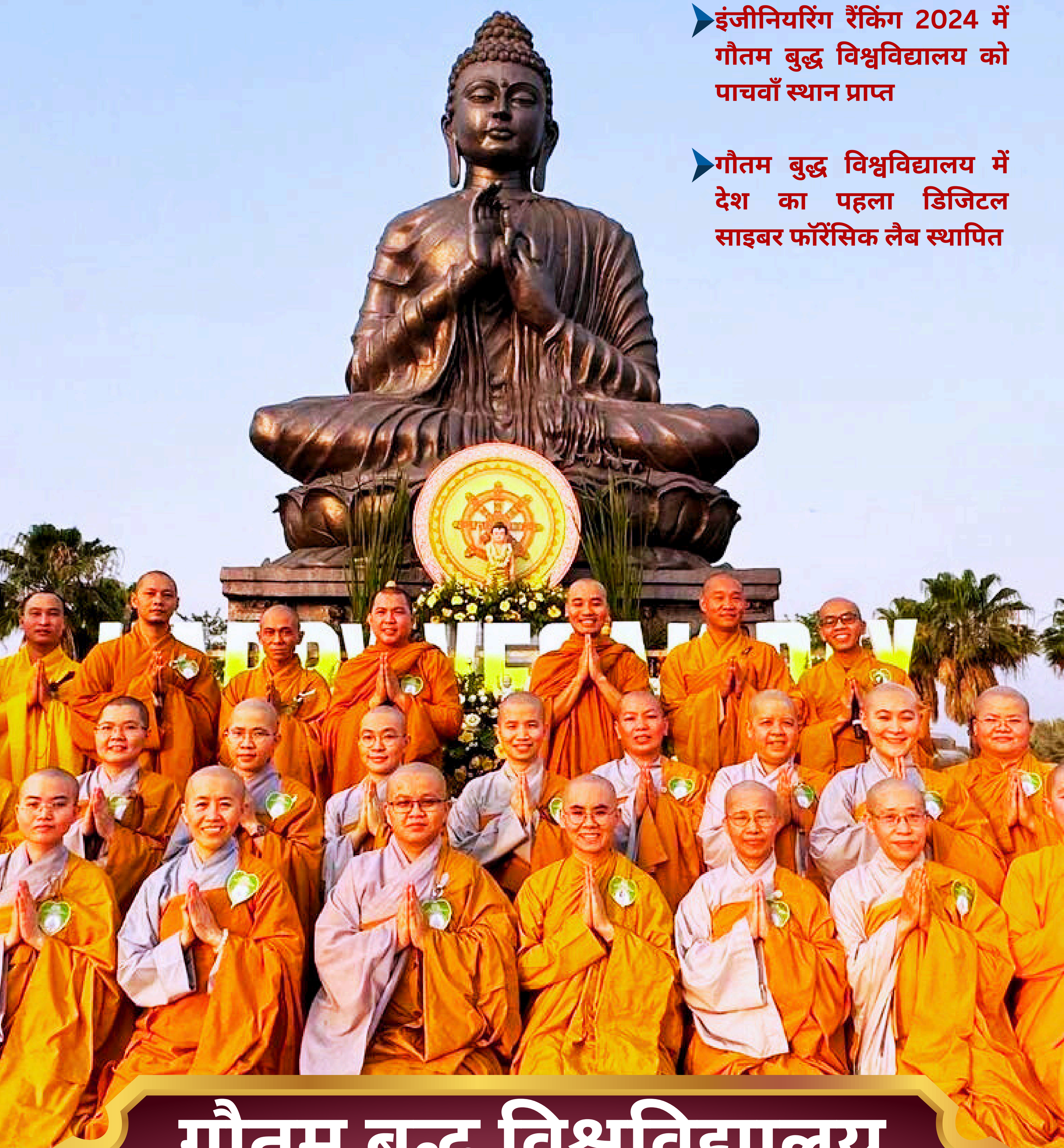

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

(नित-नूतन उपलब्धियों को हासिल करता विश्व-फ़लक पर चमकता सितारा)

न्यूज़ लेटर

हिन्दी संस्करण

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में शौर्योत्सव, बुद्ध पूर्णिमा एवं अकादमिक गतिविधियाँ

जब हौसला बुलंद हो तो बड़ी से बड़ी बाधा भी घुटने टेक देती है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में पूरे साल विद्यार्थियों में वार्षिक खेल प्रतियोगिता 'शौर्योत्सव' का उत्साह बना रहता है । पूरे साल विद्यार्थी अपने-अपने पसंदीदा खेल में निपुण होने का अभ्यास करते हैं । इस साल वार्षिक खेल प्रतियोगिता '13वाँ शौर्योत्सव 2023-24' का आयोजन किया गया । मार्च से लेकर मई तक आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में चिलचिलाती धूप भी विद्यार्थियों का उत्साह कम न कर सका और विद्यार्थियों ने अपने शौर्य का परिचय दिया।

विश्वविद्यालय में एक ओर शौर्योत्सव तो दूसरी ओर बुद्ध पूर्णिमा का प्रकाश संचरित हुआ । विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् विदेशी विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष बैसाख यानी बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सहर्ष अपने हाथों से पुष्प तथा विभिन्न साज-सज्जा तैयार कर विश्वविद्यालय को सजाते हैं । इस बार भी सत्रीय परीक्षा को ध्यान में रखते हुए बुद्ध पूर्णिमा कुछ दिन पहले ही मना लिया गया। विदेशी विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के आयोजन तिथि के करीब दस दिन पहले से महामाया शांति सरोवर से लेकर विश्वविद्यालय के अन्य कई स्थलों को पुष्प से सजाया तथा कार्यक्रम के आयोजन से लेकर विदेशी खासकर वियतनामी स्वादिष्ट व्यंजन से सबका हृदय जीत लिया ।

किसी भी विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा शौर्य होता है उस विश्वविद्यालय में ससमय विद्यार्थियों के लिए प्रवेश / प्रवेश परीक्षा और परीक्षा का आयोजन एवं परीक्षा का परिणाम घोषित करना। एक ओर प्रवेश परीक्षा आयोजित कर काउंसलिंग के पहले चरण की शुरूआत हुई तो दूसरी ओर ससमय सत्रीय परीक्षा सम्पन्न हुई । दोनों ही महत्वपूर्ण कार्य में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का उत्साह और शौर्य सूर्य का ताप और लू कम न कर सकी।

प्रायः परिणाम परिश्रम का मूल्यांकन तय करता है, पर परिश्रम की सतत् प्रक्रिया पर किसी का ध्यान नहीं जाता । इसीलिए सफल व्यक्ति या संस्था के परिश्रम पर सभी बात करना पसंद करते हैं, असफल व्यक्ति या संस्था के अथक परिश्रम का मूल्यांकन कहीं पीछे छूट जाता है। यह विश्वविद्यालय प्रत्येक विद्यार्थी को एक बेहतर भविष्य प्रदान करने की भरपुर कोशिश करता है, जिसमें बेहतर करियर और बेहतर इंसान बनना दोनों शामिल है । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भौतिक सुखों की माँग है तो ज्ञान का संचार और मानसिक शांति बेहतर मनुष्य की । गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय अपनी समस्त योजनाओं के साथ विद्यार्थियों को एक बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी संकल्प के साथ अगले सेशन में कदम रख रहा है...

भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा भारतीय साहित्य विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बायें से प्रो. बंदना पाण्डेय, डॉ. नंदिनी साहू, कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन : 2-3 मई को इंग्लिश एवं माडर्न यूरोपिय भाषा विभाग तथा इंगलिश लैंग्वेज़ टीचर्स एसोसिएशन इंडिया (ELTAI) के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा भारतीय साहित्य पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न हुआ । इस सम्मेलन में पूरे देश से 100 से अधिक विद्वानों ने भाग लिया । उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इग्नू की डॉ. नंदिनी साहू, विशिष्ट अतिथि नार्थ ईस्टर्न विश्वविद्यालय के प्रो. द्विजेन शर्मा, आमंत्रित वक्ता आई.के.एस. शिक्षा मंत्रालय के सहायक समन्वयक डॉ. पीयूष कांति पाल तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी उपस्थित रहें ।

इस सम्मेलन में अपने वक्तव्य में प्रो.साहू ने अंग्रेजी के भारतीय साहित्य के क्षेत्र में ज्ञान प्रणाली और उनका उपयोगी परिचय देते हुए भारत में मौजूद विभिन्न परंपराओं की समावेशिता पर प्रकाश डाला । डॉ. पीयूष कांति पाल ने उत्तर-पूर्वी परंपराओं, संस्कृतियों एवं प्रथाओं को मुख्यधारा के सांस्कृतिक विमर्श में शामिल करने पर ज़ोर दिया । प्रो. द्विजेन शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणाली की परंपरा पर प्रकाश डाला । प्रो. बंदना पाण्डेय ने भारतीय ज्ञान परंपरा की विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

इस सम्मेलन में जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रो. सरोज महानंदा तथा डॉ. उज्जवल ने भारतीय ज्ञान प्रणाली के व्यावहारिक पक्ष पर बल दिया । अम्बेडकर सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स के अध्यक्ष डॉ. पंकज दीप, सेंटर फॉर हिन्दू स्टडीज के प्रमुख डॉ. विवेक मिश्रा, इंग्लिश एवं माडर्न यूरोपिय भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित्रा हुइड्रोम तथा कार्यक्रम समन्वय डॉ. बिपाशा सोम ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर चिंतन किया ।

****

अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो.बंदना पाण्डेय के साथ फेकल्टीज़ तथा विद्यार्थी

अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस : 3 मई को जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा हाइब्रिड मोड पर 'अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस' पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर 'नरेन्द्र मोदी द गेम चेंजर' के लेखक एवं सुप्रसिद्ध पत्रकार सुदेश वर्मा वक्ता रहें । इस पर उन्होंने कहा "भारत में प्रेस की स्वतंत्रता न कभी कम हुई है और न कभी कम होगी, क्योंकि यहाँ संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रेस को स्वतंत्रता मिली हुई है।" साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित किया कि भारत का हर नागरिक देश के सशक्तीकरण में सहायक होता है, इसलिए भारत में प्रेस की स्वतंत्रता यहाँ के हर नागरिक में निहित है ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं जी न्यूज़ जैसे कई लोकप्रिय मीडिया संस्थानों में अपना योगदान दे चुकी सन्मार्ग की वर्तमान ब्यूरो-चीफ एवं वरिष्ठ पत्रकार सर्जना शर्मा ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित किया कि आज मनाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस का मुख्य उद्देश्य वर्तमान पर्यावरण समस्याओं को लेकर संवेदनशील पत्रकारिता करना है, तभी सम्पूर्ण धरती को बचाये रखने में पर्यावरण पत्रकारिता के योगदान को समझा जा सकेगा । यह भी महत्वपूर्ण है कि हम तभी बचेंगे जब हमारा पर्यावरण बचेगा, क्योंकि बिना पर्यावरण को बचाए हमारा अस्तित्व नहीं बचेगा । इसलिए हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए पत्रकारिता के जरिए लोगों को जागरूक करना होगा ।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पांडेय ने कहा कि आज भारत वह देश नहीं है जहाँ महिलाएँ स्वयं को असुरक्षित मानती हैं । जहाँ राष्ट्र को सर्वोपरि माना जाता है उस राष्ट्र के नागरिक या कोई भी पत्रकार स्वयं को असुक्षित मान ही नहीं सकते । भारत की सनातन संस्कृति में पर्यावरण का दर्जा महत्वपूर्ण रहा है और इसलिए हमारे सभी विद्यार्थी और संकाय सदस्य आज इस बात का संकल्प लेते हैं कि हम सभी पर्यावरण की रक्षा के लिए समर्पित रहेंगे साथ ही अपनी पत्रकारिता और व्यक्तिगत स्तर पर भी लोगों को इस हेतु जागरूक भी करते रहेंगे । इस अवसर पर छात्रों ने वक्ताओं से अपनी जिज्ञासाएँ व्यक्ति कीं तथा इस वक्तव्य से छात्र और प्राध्यापकगण लाभान्वित हुए ।

****

अतिथि व्याख्यान : 3 मई को स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एवं गर्वनेंस द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर वक्ता के रूप में डॉ. आर.एम.एल. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति प्रो. डॉ. अमर पाल सिंह ने 'एक सफल कानूनी पेशेवर बनने के लिए क्या आवश्यक है' विषय पर अपनी अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा करते हुए इच्छुक छात्रों को व्यवसाय और पेशे के बीच अंतर पर गहन जानकारी प्रदान करते हुए कानूनी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक गुणों पर ज़ोर दिया तथा विशेष रूप से परिवर्तनों के प्रति अनुकूलनशीलता और नवीनतम विकास के साथ अद्यतन रहने पर ध्यान केन्द्रित किया । उन्होंने हाल के अपने निर्णयों के संदर्भ में अपनी बात स्पष्ट की जिसमें सर्वोच्च न्यायालय का जलवायु परिवर्तन से संबंधित निर्णय भी शामिल है । उन्होंने मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'बड़े भाई साहब' और स्टीफन हॉकिंग की प्रसिद्ध पुस्तक 'ए ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ टाइम' से अंतर्दृष्टि जैसे विभिन्न स्रोतों से प्रेरणा लेते हुए दृढ़ता के प्रयासों पर किस्सा साझा किया । इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. के.के. द्विवेदी ने भी सफल कानूनी पेशेवर बनने की दिशा में यात्रा के विषय में बातचीत की और छात्रों को लाभान्वित किया ।

प्रो. डॉ. अमर पाल सिंह को सम्मानित करते हुए डॉ. के.के.द्विवेदी

****

13वाँ शौर्योत्सव 2023-24 की कुछ झलकियाँ

13वाँ शौर्योत्सव 2023-24 : विश्वविद्यालय की क्रीड़ा समिति द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की वार्षिक खेल प्रतियोगिता '13वाँ शौर्योत्सव 2023-24' एकलव्य क्रीड़ा परिसर में आयोजित किया गया । 5 मार्च से प्रारंभ यह प्रतियोगिता 4 मई को सम्पन्न हुआ । इस प्रतियोगिता में पुरूष टीमों की प्रतियोगिता अंत:संकाय तथा महिला टीमों की प्रतियोगिता अंत:छात्रावास आयोजित किया गया । जिसमें कुल 1097 विद्यार्थियों में से 243 छात्राएँ तथा 854 छात्रों ने भाग लिया । अंत: संकाय प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ आई.सी.टी. संकाय तथा अंत:छात्रावास प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास एवं छत्रपति साहू जी महाराज महिला छात्रावास विजेता रहें ।

****

कार्यक्रम के अवसर पर बौद्ध भिक्षु आदरणीय पन्नाजावड़ा, उनके सहयोगी, कुलपति रवीन्द्र कुमार सिन्हा के साथ फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

अलोडावपिये ध्यान केंद्र, म्यांमार के मुख्य भिक्षु द्वारा जीबीयू का दौरा : 5 मई को म्यांमार से अलोडावपिये ध्यान केंद्र, सितवे, म्यांमार के मुख्य बौद्ध भिक्षु आदरणीय पन्नाजावड़ा अपने दो सहायकों श्री न्य न्यी तुन और श्री सैन स्वे के साथ विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का दौरा किया। जिनके स्वागत में इंटरनेशनल गेस्ट हाउस में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि आदरणीय पन्नाजावड़ा ने उत्कृष्ट शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया और अच्छी आवासीय सुविधाओं के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें संतुष्टि है कि छात्रों को सीखने के लिए उत्कृष्ट माहौल प्राप्त है तथा भविष्य में यहाँ और भी छात्रों को भेजने की प्रक्रिया जारी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अध्यक्षीय ने कहा कि गौतम बुद्ध का जन्म प्राचीन जनपद कपिलवस्तु में हुआ था। उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से ही बौद्ध धर्म की प्रचार भूमि रहा है। उत्तर प्रदेश के इस जिले, गौतम बुद्ध नगर का नाम गौतम बुद्ध के नाम पर रखा गया है और हमारे विश्वविद्यालय का नाम भी गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय है, जिस पर हमें गर्व है। उन्होंने आगे कहा कि भारत और म्यांमार के बीच प्राचीन काल से लेकर आज तक सांस्कृतिक और धार्मिक स्तर पर एकता रही है, हम आशा करते हैं कि इस परंपरा की निरंतरता सदैव जीवित रहेगी।

स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज एंड सिविलाइजेशन की अधिष्ठाता प्रो. श्वेता आनंद ने स्वागत भाषण में कहा कि हम सभी प्रकार की शैक्षणिक सुविधाएँ प्रदान कर रहे हैं और भविष्य में भी हमारे सभी छात्रों के लिए ये सभी सुविधाएँ प्रदान की जाती रहेंगी। म्यांमार के छात्र पीएचडी स्कॉलर भिक्षु आनंदार ने म्यांमार और भारत के बीच संबंधों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत बुद्ध की पवित्र भूमि है और म्यांमार तथा भारत के बीच प्राचीन काल से ही अच्छे संबंध रहे हैं जो जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में बौद्ध दर्शन, इतिहास एवं साहित्य का पर्याप्त ज्ञान प्राप्त कर वे अत्यंत प्रसन्न हैं। यहाँ रहकर उन्हें भारत की संस्कृति को पढ़ने और समझने का अवसर मिला है। म्यांमार के पीएचडी स्कॉलर भिक्षु कोविदा ने भी अपना अनुभव साझा किया कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल की जानकारी उन्हें म्यांमार के बौद्ध मठ में अपने वरिष्ठ धम्म भाई से मिली। इसलिए उन्होंने यहाँ आकर पढ़ाई करने का फैसला लिया । उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में डॉ. अरविंद कुमार सिंह (निदेशक अंतर्राष्ट्रीय मामले) ने उन्हें सभी प्रकार की जानकारी प्रदान की और नामांकन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए दो देशों के बीच छात्र वीजा से संबंधित सभी मुद्दों का समाधान किया। हम इस विश्वविद्यालय के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने हमें यहाँ बौद्ध अध्ययन विभाग में अध्ययन करने का अवसर दिया।

इस अवसर पर बौद्ध भिक्षु पन्नाजावड़ा तथा उनके सहयोगियों ने एसओबीएससी के संकाय सदस्य डॉ चिंताला वेंकट शिव साई, डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा, डॉ. मनीष टी मेश्राम, डॉ. चन्द्रशेखर पासवान, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. चंद्रभानु भरास, डॉ. पंकज दीप, डॉ. संदीप राणा, श्री प्रदीप, शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री कन्हैया एवं श्री अजय, विदेशी बौद्ध छात्रों (भिक्षुओं और ननों) के साथ महामाया शांति सरोवर, बुद्ध प्रतिमा, ज्योतिबा फुले ध्यान केंद्र, ऑडिटोरियम, इंडोर स्टेडियम तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न खूबसूरत स्थानों का दौरा किया तथा उन्होंने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के गुणों को अलोडावपिये मेडिटेशन सेंटर, म्यांमार के सभी शिष्यों तक पहुँचाने का निर्णय लिया।

****

एनपीसीएल में औद्योगिक भ्रमण के समय गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

इलेक्ट्रिकल विभाग के छात्रों का एनपीसीएल में औद्योगिक भ्रमण : 6 मई को विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल विभाग के बी.टेक एवं एम.टेक के छात्रों ने नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया । इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को बिजली क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं की गहराई से समझ प्राप्त करना था । एनसीपीएल के कार्यों पर एक सूचनात्मक पावर प्वाइंट के माध्यम से विद्युत खरीद, पावर एक्सचेंज और क्षेत्रिय विद्युत वितरण की चुनौतियों पर विस्तार से छात्रों के साथ चर्चा हुई । तत्पश्चात् छात्रों को प्रशिक्षण कक्ष में नियंत्रण कक्ष के कामकाज और विद्युत प्रणालियों के संचालन की जानकारी दी गई । छात्रों को स्मार्ट सबस्टेशन के कामकाज की जानकारी दी गई और सुरक्षा प्रोटोकॉल्स का महत्व समझाया गया । इस भ्रमण में छात्रों को प्रति प्रतिस्थापन, वितरण स्वचालन प्रणालियों और स्मार्ट ग्रिड नियंत्रण

केन्द्रों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ । इस अवसर पर शरद सिन्हा मुख्य श्रम संसाधन, संकेत श्रीवास्तव मुख्य पावर प्रबंधन, निखिल गर्ग उपमहाप्रबंधक वाणिज्यिक, रोहित मिश्र मुख्य रणनीति उपस्थित रहें ।

****

बुद्ध पूर्णिमा की कुछ झलकियाँ

बुद्ध पूर्णिमा : प्रत्येक वर्ष गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन के अंतरराष्ट्रीय छात्रों द्वारा वैशाख पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) का आयोजन उत्साह और आदर के साथ मनाया जाता रहा है । इस बार परीक्षा को ध्यान में रखते हुए बुद्ध पूर्णिमा 8 मई को आयोजित किया गया । इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि जिम्स अस्पताल के निदेशक डॉ ब्रिगेडियर आर. के. गुप्ता, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी रहें ।

डॉ. ब्रिगेडियर आर. के. गुप्ता ने विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षा ग्रहण कर रहे भिक्षु-भिक्षुणियों की उपस्थिति से मिलनेवाली प्रेरणा की प्रशंसा की । कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने इस कार्यक्रम में विदेशी छात्रों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि यह त्यौहार भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति का एकीकरण करता है । विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने बौद्ध धर्म के मूल्यों की चर्चा की और साथ ही कहा कि प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम में कुछ नया दिखाई देता है, जो हम सभी के लिए अनुकरणीय है । बौद्ध अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर पासवान ने इस कार्यक्रम के आयोजन में छात्रों के समर्पण को सभी के लिये प्रेरणादायी बताया । डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में बुद्ध पूर्णिमा सन् 2013 से लगातार मनाया जा रहा है, जिसे संस्थान का वार्षिकोत्सव भी कहा जा सकता है । इस विशेष दिन पर बुद्ध के जीवन में तीन महत्वपूर्ण घटनाएँ घटित हुई थीं और इसलिए इसे तीन आशीर्वादित दिन (थ्राइस ब्लेस्ड डे) भी कहा जाता है। वैशाख दिवस का यह उत्सव विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समझ और आध्यात्मिकता को उजागर करता है और इसे बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का साक्षी था ।

इस कार्यक्रम में वियतनामी स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था थी, जिसे छात्रों ने स्वयं तैयार किया था । कार्यक्रम का संचालन बौद्ध भिक्षु न्गुयेन वान क्वॉक और भिक्षुनी माई ची ने किया, अन्य छात्रों ने बौद्ध सुत्त का पाठ किया तथा समस्त कार्यक्रम की रूपरेखा भिक्खू तुआन त्रान ने तैयार की । इस कार्यक्रम में उपस्थित शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.एन.पी. मलकानिया, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मनमोहन सिसोदिया, बौद्ध अध्ययन विभाग की अधिष्ठाता प्रो. श्वेता आनंद, विभागाध्यक्ष डॉ. चन्द्रशेखर पासवान सहित विभिन्न संकाय के सम्मानीय शिक्षक-शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण तथा छात्रा-छात्राओं ने महात्मा गौतम बुद्ध की प्रतीकात्मक स्नान समारोह में भाग लिया ।

समझौता ज्ञापन : 10 मई को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक के क्षेत्र में अकादमिक ज्ञान और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक डिजिटल फोरेंसिक प्रयोगशाला और क्षमता निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए साइबरटिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीआईपीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन किया । साइबरटिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड मुंबई स्थित एक कंपनी है जो साइबर फोरेंसिक, साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर विकास, अनुसंधान के क्षेत्र में काम करती है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक मुद्दों को भी संभालती है । इस समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य साइबर सुरक्षा प्रौद्योगिकी और योजना के क्षेत्र में इच्छुक छात्रों और शोधकर्ताओं को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना है। समय के साथ यह प्रयोगशाला स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रमों के छात्रों के लिए संशोधित प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करेगी । इसके अलावा, इस साझेदारी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना है। सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, जीबीयू और सीआईपीएल, साइबर सुरक्षा उद्योग में नवीन प्रगति के बारे में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर प्रशिक्षण, कार्यशालाएँ, सेमिनार, सम्मेलन, संगोष्ठियाँ और व्याख्यान सहित शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करवायेंगे, इसके साथ ही सक्रिय रूप से अनुसंधान, ज्ञान के सृजन और प्रसार एवं प्रकाशन गतिविधियों में भी योगदान करेंगे ।

कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी के साथ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ एवं सीआईपीएल के अधिकारी

इस अवसर पर कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि इस प्रयोगशाला की स्थापना से न केवल विश्वविद्यालय के छात्रों को बल्कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों, निजी कॉर्पोरेट्स और निजी संस्थानों को भी ज्ञान मिलेगा । एमओयू साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत करने के लक्ष्य के साथ सहयोग की कई संभावित क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार करेगा । कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के युग में साइबर सुरक्षा समय की माँग है । बैठक में समस्त संकायों के अधिष्ठाता, संकाय सदस्य और सीआईपीएल के अधिकारियों ने भाग लिया ।

****

अलुमनाई मीट : 11 मई को समाज कार्य विभाग ने विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट रिलेशन सेल के सहयोग से ऑनलाइन 'अलुमनाई मीट' का सफल आयोजन किया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईएमएसएएनएस, बैंगलुरू के प्रो. सुभाशीष भद्रा ने इस विभाग से जुड़ी भावनात्मक यादों को सबके साथ साझा करते हुए छात्रों को अकादमिक विस्तार के लिये परस्पर सीखने की भावना रखने की सलाह दी तथा भविष्य की संभावनाओं पर भी पूर्व छात्रों से अपना सहयोग देने की सलाह दी । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने वक्तव्य में पूर्व छात्रों का स्वागत किया और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सुभाशीष भद्रा जी को समाज कार्य विभाग की नींव रखने के लिये विशेष रूप से धन्यवाद दिया । मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान की अधिष्ठाता प्रो. बन्दना पांडेय ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए विभाग का महत्व, भावनाओं के विकास और भविष्य की संभावनाओं पर अपना विचार केंद्रित किया ।

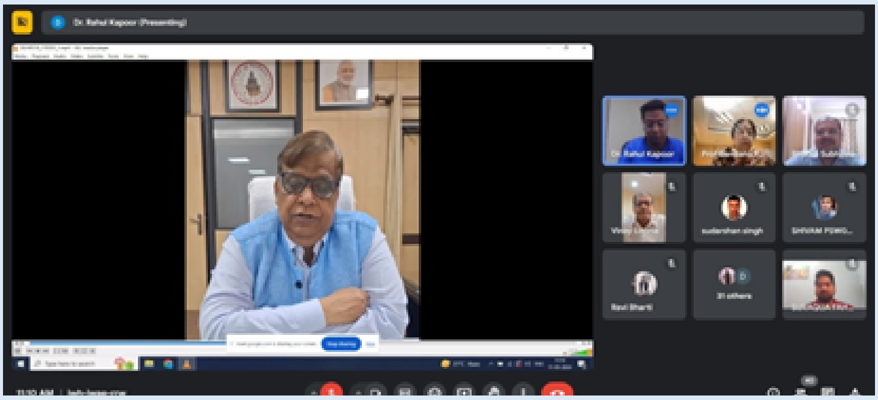

अलुमनाई मीट के समय आभासी पटल पर कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

इस कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ओमबीर सिंह, कॉर्पोरेट रिलेशन सेल के डायरेक्टर डॉ. विनय लिटोरिआ, कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. राहुल कपूर, समाज कार्य विभाग के प्राध्यापकगण डॉ. सिद्धरामू, डॉ. रौनक अहमद, श्री रवि प्रताप भारती, श्री अमन साहू ने चर्चा में भाग लिया ।

****

इंजीनियरिंग रैंकिंग 2024 में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को पाचवाँ स्थान प्राप्त

14 मई को नवीनतम प्रतियोगिता सफलता समीक्षा (सीएसआर) इंजीनियरिंग रैंकिंग 2024 में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने सुपर उत्कृष्टता के शीर्ष उभरते इंजीनियरिंग कॉलेजों की श्रेणी में प्रतिष्ठित पाँचवाँ स्थान प्राप्त हुआ। आज के गतिशील वैश्विक परिदृश्य में आगे बढ़ने के आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस भावी इंजीनियर्स को तैयार करने के प्रति अटूट समर्पण गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को अन्य विश्वविद्यालयों से अलग करता है। विश्वविद्यालय छात्रों में शिक्षा के समग्र दृष्टिकोण के साथ साथ व्यावहारिक शिक्षा, नवप्रवर्तक, समस्या-समाधानकर्ता एवं लीडरशिप का गुण विकसित करने का पूरा प्रयास करता है।

इस विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश में इंजीनियरिंग कॉलेजों की रैंकिंग में चौथा स्थान प्राप्त है। यह राज्य के शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान इंजीनियरिंग के पेशेवरों की अगली पीढ़ी को आकार देने में विश्वविद्यालय की भूमिका को रेखांकित किया जा सकता है।

छात्र कुल अधिष्ठाता डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया को पौधे से सम्मानित करती हुई डॉ. आशा पाण्डेय, पीछे मुख्य छात्र अभिरक्षक (पुरूष) डॉ. सुभोजित बनर्जी तथा छात्राएँ

छत्रपति साहू जी महाराज जयंती : 18 मई को छत्रपति साहू जी महाराज महिला छात्रावास में समाज सुधारक छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया, छात्र कुलअधिष्ठाता, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुभोजित बनर्जी, मुख्य अभिरक्षक, पुरूष छात्रावास तथा सम्माननीय अतिथि डॉ. विदुषी शर्मा, मुख्य अभिरक्षका, महिला छात्रावास सहित अन्य छात्रावासों की अभिरक्षिकाएँ, कर्मचारी तथा छात्राएँ उपस्थित रहीं। इस अवसर पर डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया ने अपने विचारोत्तेजक भाषण में छात्राओं द्वारा इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। डॉ. सुभोजित बनर्जी ने छत्रपति साहू जी के प्रगतिशील सुधारों एवं स्थायी प्रभावों की चर्चा की। डॉ. विदूषी शर्मा ने छात्राओं को छात्रावास परिसर में साफ-सफाई रखने का सुझाव दिया। छात्रावास अभिरक्षिका डॉ. आशा पाण्डेय ने समाज में छत्रपति साहू जी के अमूल्य योगदान की चर्चा की।

इस अवसर पर छात्रावास की छात्राओं ने गणपति वंदना, छत्रपति साहू जी के जीवन एवं कार्यशैली पर भाषण, कविता पाठ तथा नृत्य में भाग लेकर कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाया।

****

एनईपी ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम में बायें से डॉ. श्रुति चौहान, डॉ. बिपाशा सोम, डॉ. विनोद शनवाल

एनईपी ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम : 20 मई से 30 मई तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआइईपीए) और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वाधान में एनईपी ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय सदस्यों के शिक्षण, सीखने और अनुसंधान को बेहतर बनाने के लिए उनके कौशल और विशेषज्ञता को बढ़ाना रहा। यह उन्हें भारतीय मूल्यों से सराबोर करने, उनके ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने और उनकी शैक्षिक प्रथाओं को सामाजिक आवश्यकताओं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों के साथ संरेखित करके हासिल किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मालवीय ने एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कल्पना की जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान, व्यावहारिक प्रशिक्षण, नैतिक मूल्यों और कला के व्यापक अध्ययन को एकीकृत करती है। इस एमएम-टीटीपी कार्यक्रम का उद्देश्य इस दृष्टिकोण को साकार करना और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करना है। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विनोद कुमार शनवाल सहित अन्य फेकल्टी ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन, जिसमें शिक्षण, अनुसंधान, प्रकाशन, पेटेंट और संस्थागत विकास में भारतीय मूल्यों के समावेश पर अपने विचार व्यक्त किए।

****

न्यू हॉलैंड एग्रीकल्चर का दौरा करते हुए प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा एवं अन्य

कुलपति द्वारा न्यू हालैंड एग्रीकल्चर का दौरा : 21 मई को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा ने संकाय सदस्यों के साथ न्यू हॉलैंड एग्रीकल्चर का दौरा किया, जो ग्रेटर नोएडा में ट्रैक्टर और ग्राउंड मूविंग उपकरण विनिर्माण सुविधा प्रदान करता है। सुमंत्र मुखर्जी निदेशक संचालन ने कंपनी के इतिहास, कल्याणकारी गतिविधियों, संयंत्र में सुरक्षा उपकरण, अनुकूल वातावरण, भारत और विदेश में बिक्री और वितरण चैनलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न देशों में ट्रैक्टरों के निर्यात और उनकी मुख्य दक्षताओं के बारे में भी बताया।

आदित्य घिल्डियाल जीएम एचआर ने विज्ञान और इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए महिलाओं के लिए एप्रेंटिस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी कि वे गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए कैंपस ड्राइव का संचालन करेंगे। संकाय सदस्यों ने प्लांट में शॉप फ्लोर निर्माण ट्रैक्टर और इसके गुणवत्ता जांच क्षेत्रों का अनुभव किया।

****

सड़क सुरक्षा पर संगोष्ठी : 23 मई को सड़क पर हो रहे हादसे को रोकने के लिए परिवहन विभाग के युवाओं को जागरूक करने का प्रदेशव्यापी अभियान का आह्वान हुआ । जिसका प्रारंभ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में कर्मयोग एवं सड़क सुरक्षा संगोष्ठी से किया गया । इस अवसर पर डीएम मनीष वर्मा, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा के साथ भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक सुरेन्द्रनाथ त्रिपाठी भी उपस्थित रहें ।

****

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में देश का पहला डिजिटल साइबर फॉरेंसिक लैब स्थापित

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में देश का पहला डिजिटल साइबर फॉरेंसिक लैब बनकर तैयार हो गया है । इस लैब में डाटा रिकवर करने के लिए स्वीडन-इजरायल साइबर टूल का इस्तेमाल किया जाएगा । इसमें डाटा स्ट्रैक्शन टूल, जिसमें ड्रोन-की नष्ट करने के लिए चिप को लगाया जाएगा, इसके बाद उसकी सारी जानकारी हासिल होनी शुरू हो जाएगी अर्थात् इसमें उसकी रिपोर्ट किसके पास है, किस स्थान से उड़ाया गया, ड्रोन के द्वारा कहाँ-कहाँ की तस्वीरें क्लिक की गईं, कहाँ भेजी गईं आदि विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त हो सकेंगी । डाटा स्ट्रैक्शन वो टूल है, जिसमें नष्ट डाटा खुद ही रिकवर हो जाता है । इसी तरह किसी आतंकी या देश के विरुद्ध साजिश रचने वाले किसी आरोपी का नष्ट किया हुआ मोबाइल, लैपटाप मिलता है तो उसे भी रिकवर किया जा सकेगा । इसके लिए स्वीडन, इजरायल, अमेरिका के साइबर टूल का भी इस्तेमाल किया जाएगा, जिसमें नष्ट गैजेट के कुछ अंश को डालने के बाद मैसेज, ई-मेल, फोटो, फाइल समेत अन्य जानकारी हासिल हो सकेंगी ।

ड्रोन साइबर लैब विजिटिंग प्रो. डॉ. निशाकांत ओझा के मार्गदर्शन में मुंबई स्थित साइबर टिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार होने के अंतिम चरण में है । साइबर एवं एयरोस्पेस सिक्योरिटीज (प्रतिरोध-आतंकवाद-एआइ) विशेषज्ञ डॉ. निशाकांत ओझा ने बताया कि वर्ष 2020 से 2023 के बीच आंकड़ों को देखा जाए तो 500 से अधिक प्रतिबंधित ड्रोन के जरिये देश के बार्डर क्षेत्र गुजरात, पंजाब, राजस्थान, जम्मू में वेपन हिरोइन, ओपीएम (अफीम), नाइन एमएम पिस्टल, 132 राउंड गन भेजी गई हैं । पिछले वर्षों की तुलना में अब ड्रोन गतिविधियाँ तीन गुना बढ़ गई हैं । इन गतिविधियों को रोकने के मकसद से ही इस लैब को तैयार किया गया है। इस लैब की एक और खासियत है कि इसमें दुश्मन देश से भेजे जाने वाले आत्मघाती ड्रोन का डाटा भी रिकवर किया जा सकेगा । इसमें ड्रोन के मलबे को एकत्र करके लैब में लाया जाएगा और इसके बाद डाटा रिकवर किया जाएगा । यह ड्रोन इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से लैस होते हैं। ये बिलकुल मानव बम की तरह काम करते हैं यानी अपना मकसद पूरा करने के बाद खुद ही ब्लास्ट हो जाते हैं । ऐसे ड्रोन का डाटा डिटेक्ट करना अभी तक बड़ी चुनौती बना हुआ था । इससे निपटने के लिए यह लैब कारगर साबित होगी। इस लैब में न केवल ड्रोन का ही डाटा रिकवर होगा बल्कि टूटे हुए मोबाइल फोन, लैपटाप इत्यादि का भी डाटा रिकवर हो सकेगा । इससे सभी लॉ इंफोर्समेंट एजेंसी, एनआइए, रा, सीबीआइ, आइबी, ईडी, स्टेट पुलिस, एसटीएफ, एसओजी को लाभ होगा । इससे इन एजेंसियों को किसी भी आपराधिक घटना या आतंकवादी घटना का पर्दाफाश करने में काफी मदद मिलेगी।

****

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय बना 'ईट राइट कैंपस' : 3 जून को भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफ.एस.एस.आई.) द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को 'ईट राइट कैंपस' घोषित किया गया है । यह ध्यातव्य है कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय एक आवासीय विश्वविद्यालय है, जिसमें 5000 से अधिक विद्यार्थियों के छात्रावास में रहने की व्यवस्था है । ईट राइट कैंपस प्रमाणीकरण, खानपान की वस्तुओं की गुणवत्ता हेतु वैज्ञानिक मानक निर्धारण के साथ ही उत्पादन, भण्डारण, वितरण आदि की गुणवत्ता के आधार पर दिया जाता है । एफ.एस.एस.आई. की इस पहल का उद्देश्य सुरक्षित स्वास्थ्य एवं पोषण युक्त भोजन तंत्र विकसित करना है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का 'ईट राइट कैंपस' प्रमाणीकरण अगले 2 वर्ष के लिए वैध होगा । यह प्रमाणीकरण ऐसे संस्थानों को दिया जाता है जहाँ सुरक्षित, स्वस्थ एवं पोषण युक्त खानपान की व्यवस्था होती है । यह न केवल विश्वविद्यालय के भोजनालयों में सुरक्षित, स्वास्थप्रद एवं पोषण युक्त होने का प्रमाणीकरण है अपितु भविष्य की दृष्टि से छात्र-छात्राओं में खान-पान संबंधी स्वस्थ आदतें विकसित करने पर जोर देने के लिए प्रतिबद्ध है । इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी और छात्र-छात्राओं की संतुष्टि एवं स्वस्थ सूचकांक बढ़ाने की दिशा में एक प्रमुख

'ईट राइट कैंपस' प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा

उपलब्धि बताया । उन्होंने विश्वविद्यालय की आवासीय प्रकृति एवं छात्र-छात्राओं के यहाँ आवासीय होने की पृष्ठभूमि में स्वस्थ एवं पोषण युक्त भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने छात्रावास अभिरक्षकों एवं मैस संचालक की अहम् भूमिका को रेखांकित करते हुए छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण भोजन के साथ ही छात्र-छात्राओं के छात्रावास में रहने के अनुभव को उत्कृष्ट बनाने हेतु भी निर्देशित किया । माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय के भोजनालयों एवं छात्रावासों में विश्वस्तरीय मानक स्थापित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक प्रो. एन. पी. मलकानिया, प्रभारी छात्र कल्याण डॉ. मनमोहन सिसोदिया, मुख्य छात्रावास अभिरक्षक पुरुष डॉ. सुभोजित बनर्जी एवं महिला मुख्य अभिरक्षिका डॉ. विदुषी शर्मा सहित विभिन्न छात्रावासों के अभिरक्षक-अभिरक्षिकाएँ तथा कम्पास के पदाधिकारी उपस्थित रहें ।

****

दान अभियान का निरीक्षण करते हुए कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

दान अभियान : समाज कार्य विभाग के सामाजिक कार्य स्नातक (बीएसडब्ल्यू) और सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर (एमएसडब्ल्यू) छात्रों ने जीबीयू परिसर में दान अभियान हेतु दान अभियान के एक हिस्से के रूप में जीबीयू शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दान बॉक्स लगाया और परिसर में छात्रों और कर्मचारियों से पुराने कपड़े, चादरें, कंबल और जूते आदि दान करने की अपील की। छात्रों ने दान के लिए अपील करते हुए रचनात्मक चार्ट भी बनाए।

इस अभियान की शुरूआत 10 मई से हुई थी और 4 जून को समाप्त हुई । अभियान में जीबीयू के छात्रों ने बड़ी संख्या में कपड़े, जूते और चादरें दान कीं तथा एकत्र की गई सामग्री को कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा की उपस्थिति में जीबीयू के सफाई, बागवानी और सुरक्षा कर्मचारियों को दान दिया गया । दान की गई वस्तुओं को ग्रेटर नोएडा के आस-पास के समुदायों में भी दान किया गया ।

प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने छात्रों के इस पहल की सराहना की और दान अभियान के दौरान मौजूद जीबीयू कर्मचारियों से बातचीत भी की। दान अभियान में डॉ. राहुल कपूर, कार्यक्रम समन्वयक और डॉ. रौनक अहमद सहित समाज कार्य विभाग के संकाय सदस्य भी शामिल हुए । दान अभियान के दौरान सुरक्षा पर्यवेक्षक श्री सतपाल सिंह, बागवानी पर्यवेक्षक श्री विष्णु शर्मा और सफाई कर्मचारी पर्यवेक्षक श्री पुष्पेन्द्र ढाका सहित जी.बी.यू. के कर्मचारी भी उपस्थित रहें ।

****

साइबर सुरक्षा हेतु बैठक के दौरान कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा एवं अन्य

साइबर सुरक्षा में सुधार हेतु बैठक : 5 जून को बीईसीआईएल कार्यालय, नोएडा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रो. आर.के. सिन्हा, डॉ. अरुण सोलंकी, डॉ. आरती गौतम दिनकर, श्री कार्तिकेय तिवारी और ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कन्सल्टेन्ट्स इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल) के प्रतिनिधि उपस्थित थे । बैठक में हाल के स्ट्रैटेजिक सैटेलाइट हैक्स और संभावित प्रतिक्रियाओं पर विचार किया गया और साइबर सुरक्षा उपायों में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया । भारतीय नौसेना के साथ वर्तमान और आगामी साइबर फोरेंसिक्स परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई । स्पेस स्टार्टअप्स के साथ सहयोग के अवसरों का अन्वेषण किया गया और कृषि आपदा प्रबंधन में रक्षा तकनीकों के एकीकरण पर विचार किया गया।

इस बैठक में साइबर फोरेंसिक्स पर केंद्रित एक श्रृंखला की पहल का प्रस्ताव रखा गया और निर्माण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में संभावित सहयोग पर चर्चा की गई । साइबर फोरेंसिक लैब स्थापित करने की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई और छात्रों के प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए लैब के महत्व पर जोर दिया गया । वर्तमान में चल रहे अनुसंधान और विकास के प्रयासों पर बल देते हुए भविष्य की अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की गई । फोरेंसिक विज्ञान कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम डिज़ाइन और व्यावसायिक भागीदारी पर भी विचार-विमर्श किया गया । कंप्यूटर फोरेंसिक्स पर केंद्रित फैकल्टी विकास कार्यक्रमों का प्रस्ताव रखा गया और व्यापक कंप्यूटर फोरेंसिक प्रशिक्षण को लागू करने की विस्तृत योजनाओं पर चर्चा की गई । कार्यवाही के बिंदुओं में साइबर फोरेंसिक लैब की स्थापना की प्रक्रिया शुरू करने, क्षेत्रीय लैब्स की स्थापना की व्यवहार्यता का अन्वेषण करने, क्षमता निर्माण के लिए परामर्श और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विकसित और लॉन्च करने और व्यावसायिक हितधारकों को शामिल करते हुए पाठ्यक्रम डिजाइन करने पर जोर दिया गया। फैकल्टी विकास कार्यक्रम और कंप्यूटर फोरेंसिक्स प्रशिक्षण की योजना और कार्यान्वयन के भी निर्देश दिए गए । बैठक के अंत में साइबर फोरेंसिक लैब की स्थापना पर फॉलो-अप करने, लैब विजिट और क्षेत्रीय लैब्स की स्थापना की योजना बनाने और स्पेस स्टार्टअप्स तथा रक्षा संबंधित परियोजनाओं के साथ सहयोग की चर्चाएँ जारी रखने का निर्णय लिया गया ।

सस्टेनेबल सेलिब्रेशन : 5 जून को स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने विश्व पर्यावरण दिवस 2024 को बड़े उत्साह के साथ मनाया । यह दिन वैश्विक रूप से ऐतिहासिक '1972 संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन' की याद में मनाया जाता है, जो स्टॉकहोम, स्वीडन में आयोजित पहला वैश्विक पर्यावरण शिखर सम्मेलन था, जिसका उद्देश्य पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा और बहाली को बढ़ावा देना और पर्यावरणीय चुनौतियों, मानवजनित जलवायु परिवर्तन और बिगड़ती वैश्विक पर्यावरणीय स्थितियों के प्रति जागरूक करना है । यह कार्यक्रम 51वें विश्व पर्यावरण दिवस को चिह्नित करता है । इसमें पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों को प्रस्तुत किया गया ।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिंहा, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.एन.पी.मलकानिया तथा अन्य

इस कार्यक्रम में आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी में अत्यधिक सूचनात्मक और शिक्षाप्रद पोस्टरों को प्रदर्शित किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की और विभागीय वॉल मैगज़ीन 'इकोवर्स' के दूसरे संस्करण का अवलोकन किया, जो 'भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा प्रतिरोधकता' के विषय के साथ मेल खाता है । उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन की वकालत की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पर्यावरण शिक्षा को शामिल करने की सराहना की । उन्होंने बी.एस.सी. पर्यावरण विज्ञान की शुरुआत के लिए विश्वविद्यालय के पहल को उजागर किया और विभिन्न विषयों में पर्यावरण शिक्षा के एकीकरण के महत्व पर जोर दिया । उन्होंने जोर दिया कि अन्य क्षेत्रों में चल रहे अनुसंधान को स्थिरता के विचार के साथ संरेखित करना चाहिए, क्योंकि पर्यावरण की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है । उन्होंने पर्यावरण पर प्रौद्योगिकी के प्रभावों को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया और दर्शकों को वाहनों के उपयोग को कम करने और वृक्षारोपण अभियानों को बढ़ावा देने जैसी पहलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया ।

इस अवसर पर प्रो. एन.पी. मलकानिया, शैक्षणिक अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ बायोटेक एवं स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ के अधिष्ठाता ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कानूनों और नीतियों के विकास और 'नक्षत्र वाटिका', 'राशि वाटिका', 'नवग्रह वाटिका' जैसे विविध देशी पौधों की प्रजातियों के महत्व को समझाया, साथ ही घर और रसोई बगीचों में आसानी से उगाए जा सकने वाले साँप-प्रतिरोधक और साँप-आकर्षक पौधों का भी उल्लेख किया । उन्होंने संस्थान के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को भी उजागर किया । साथ ही प्रो. मलकानिया ने 2024 को "सस्टेनेबिलिटी के लिए सुपर वर्ष" के रूप में जोर दिया, जिसमें छह प्रमुख वैश्विक पर्यावरणीय घटनाओं का उल्लेख किया गया, जिनमें रियो सम्मेलनों और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा शामिल हैं । उन्होंने ऐतिहासिक पर्यावरणीय मुद्दों जैसे स्कैंडेनेविया में अम्लीय वर्षा और जर्मनी के जंगलों के पतन पर चर्चा की और कीटनाशकों के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में राचेल कार्सन के अग्रणी कार्य की प्रशंसा की । उन्होंने पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के पर्यावरणीय पक्ष की सराहना की, जो भारत को पर्यावरण कारणों के लिए विकासशील राष्ट्रों का वैश्विक प्रतिनिधि बनाने में सहायक रही और इसे भारत में आयोजित G20 शिखर सम्मेलन के उदाहरण से सत्यापित किया । उन्होंने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के अधिनियम का उल्लेख किया, जो 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के परिणामस्वरूप था, और अपनी बातचीत में ए.जे.पी. टेलर के एक प्रसिद्ध उद्धरण 'कुछ भी अनिवार्य नहीं होता जब तक यह घटित नहीं होता' का उल्लेख किया । अपनी बुद्धिमत्तापूर्ण बातों को मिट्टी के एक बर्तन और उसके उलट जाने पर उसके बाहर फैलने के उदाहरण से समाप्त करते हुए उन्होंने कहा, 'समस्याएँ छोटी होती हैं लेकिन इसके परिणाम दीर्घकालिक होते हैं' ।

इस कार्यक्रम की खास बात रही कि प्लास्टिक का उपयोग कम से कम किया गया । पर्यावरण विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. भास्वती बनर्जी सहित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने परिचर्चा सत्र में प्रासंगिक मुद्दों जैसे समृद्ध जैव विविधता, वर्षा जल संचयन प्रणाली और बड़े सौर पैनल इंस्टॉलेशन आदि की चर्चा में भाग लिया ।

****

दीप प्रज्वलन के समय

राष्ट्रीय संगोष्ठी : 6 एवं 7 जून को हिंदू अध्ययन केन्द्र तथा मनोविज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली के द्वारा मनोविज्ञान के लिए पाठ्यक्रम' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ । संगोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉक्टर कैलाश नाथ शर्मा, अध्यक्ष, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, मुख्य वक्ता प्रो. गिरिश्वर मिश्रा, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा रहें ।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर कैलाश चन्द्र शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि मनोविज्ञान विषय में मौजूद सिद्धांतों से जुड़े

तथ्य विषय की उत्पत्ति से पहले भी मौजूद रहे हैं लेकिन पाश्चात्य सिद्धांतों एवं मनोवैज्ञानिकों के प्रभाव के वजह से भारतीय ज्ञान की उपेक्षा की गई। उन्होंने बताया कि पाश्चात्य और स्वदेशी विचारों को साथ साथ समान रूप से विषय में सम्मिलित होना चाहिए।

इस अवसर पर संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता प्रो. गिरीश्वर मिश्रा ने वेद एवं उपनिषदों में मौजूद तथ्यों के आधार पर पाठ्यक्रम के विकास पर जोर देते हुए बताया कि हमारी अपनी स्वदेशी ज्ञान, मनोवैज्ञानिक शोध एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं से निपटने की समझ को दिशा देने में सक्षम हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पांडेय ने भी भारतीय ज्ञान परंपरा और मनोविज्ञान के अंतर्संबंध पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. धनंजय सिंह, मेंबर ऑफ सेक्रेटरी, आई.सी.एस.एस.आर ने यह आश्वासन दिया कि आई.सी.एस.एस.आर के माध्यम से भारतीय ज्ञान पद्धति के क्षेत्र में शोध कार्य एवं छोटे छोटे शोध योजनाओं के क्रियान्वयन किया जाता रहेगा। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. आनन्द प्रताप सिंह, अध्यक्ष, मनोविज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य विभाग एवं डॉ. विवेक कुमार मिश्रा, अध्यक्ष, हिंदू अध्ययन केन्द्र ने कार्यक्रम के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए मनोविज्ञान के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली के समावेश पर ध्यान इंगित किया। इस संगोष्ठी में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं देश के प्रमुख संस्थानों जैसे आई.आई.टी. बॉम्बे, दिल्ली विश्वविद्यालय, आई.आई.टी. खड़गपुर, कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, निम्हैन्स इत्यादि संस्थाओं से विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के अधिष्ठातागण, शिक्षकगण एवं छात्र - छात्राओं ने परिचर्चा में लिया।

****

'ईटी एजुकेशन वार्षिक शिखर सम्मेलन 2024' में कुलपति रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

ईटी एजुकेशन वार्षिक शिखर सम्मेलन 2024 में कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा की भागीदारी : 6 एवं 7 जून को द इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा आयोजित 'ईटी एजुकेशन वार्षिक शिखर सम्मेलन 2024' में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र के सम्मानित प्रतिनिधियों से लेकर गतिशील उद्योग के नेताओं, दूरदर्शी सरकारी अधिकारियों और नवीन प्रौद्योगिकी प्रदाताओं तक के लिए एक अभिसरण बिंदु के रूप में कार्य करना है।

****

फोटोनिक्स सिमुलेशन टूल्स पर कार्यशाला की झलकियाँ

कार्यशाला : 8 जून को व्यावसायिक अध्ययन और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय के अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग ने वीपीआईफोटोनिक्स, नई दिल्ली के सहयोग से क्वांटम संचार पर जोर देते हुए फोटोनिक्स सिमुलेशन टूल्स पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में फाइबरोनिक्स के संस्थापक और सीईओ श्री जसप्रीत सिंह ने वीपीआईफोटोनिक्स डिज़ाइन सूट नामक फोटोनिक्स सॉफ़्टवेयर टूल का प्रदर्शन किया जो इंजीनियरों को विभिन्न फोटोनिक सिस्टम में प्रकाश के व्यवहार का अनुकरण करने की अनुमति देता है। इसका उपयोग नए उपकरणों को डिजाइन करने, मौजूदा उपकरणों को अनुकूलित करने और समस्याओं का निवारण करने के लिए किया जा सकता है। सॉफ्टवेयर न केवल फोटोनिक इंटीग्रेटेड सर्किट, ऑप्टिकल कम्युनिकेशन सिस्टम, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस, बल्कि क्वांटम कुंजी वितरण जैसे उभरते क्षेत्रों को भी डिजाइन और अनुकरण करने की पेशकश करता है। वीपीआईफोटोनिक्स के उत्पादों का उपयोग कई तरह की कंपनियों और संस्थानों द्वारा किया जाता है, जिनमें अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, विश्वविद्यालय और दूरसंचार कंपनियाँ शामिल हैं। उनके सॉफ्टवेयर को फोटोनिक्स निर्माण के लिए उद्योग मानक माना जाता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर एप्लाइड फिजिक्स के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार केशरी, अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग की डॉ. वीनस डिल्लू, ईसीई विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. विदुषी शर्मा, एप्लाइड फिजिक्स विभाग के सभी संकाय सदस्य और शोध छात्रों ने अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया।

****

एक्टिंग ऑडिशन के अवसर पर राधे केशव इंटरटेनमेंट के प्रोड्यूसर, स्टाफ एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

एक्टिंग ऑडिशन का आयोजन : 10 जून को जनसंचार एवं मीडिया स्टडीज विभाग में राधे केशव इंटरटेनमेंट के सौजन्य से आज 'एक्टिंग ऑडिशन' का आयोजन किया गया। इस ऑडिशन में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों और विभागों से छात्र-छात्राओं ने आकर ऑडिशन दिया। इस ऑडिशन के बाद मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता और जनसंचार एवं मीडिया स्टडीज विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. बंदना पांडेय ने बताया कि जनसंचार विभाग अपने विद्यार्थियों के छुपे तमाम टेलेंट को सबके सामने लाकर उन्हें प्रोफेशनल मार्गदर्शन भी प्रदान करता है, साथ ही साथ रेडियो, टेलीविजन, फिल्म और अकादमिक जगत के प्रसिद्ध प्रोफेशनल्स भी आकर विभाग के विद्यार्थियों से रूबरू होते रहते हैं। जनसंचार एवं मीडिया स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित ऐसे आयोजनों से विश्वविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा साबित करने का सुअवसर मिलता है।

इस अवसर पर राधे केशव इंटरटेनमेंट की तरफ से उसके प्रोड्यूसर सहित कई प्रोफेशनल लोगों ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों का ऑडिशन लिया। इस ऑडिशन में एक्टिंग में रुचि रखने वाले जनसंचार विभाग के छात्र-छात्राओं सहित विश्वविद्यालय के अधिकांश विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस ऑडिशन के समय जनसंचार विभाग के डॉ. विनीत कुमार, डॉ. बिमलेश कुमार, डॉ. कुमार प्रियतम उपस्थित रहें।

****

पी.एन.माथुर मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता हेतु विवरणिका का विमोचन के समय कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

पी.एन.माथुर मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता हेतु विवरणिका का विमोचन : 13 जून को स्कूल ऑफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेंस द्वारा तृतीय पी.एन.माथुर मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता हेतु 14–15 सितंबर, 2024 को होने वाले आयोजन की विवरणिका का हुआ विमोचन हुआ। इस प्रतियोगिता से संबंधित पूर्वसर्ग और विवरणिका का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.रवीन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। इस विवरणिका में प्रतियोगिता से संबंधित सभी नियम एवं शर्तों का उल्लेख है। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शामिल होंगे। कार्यक्रम के संयोजकगण में लॉ स्कूल के अधिष्ठाता एवं इस प्रतियोगिता के संरक्षक डॉ. के. के.द्विवेदी तथा आयोजक डॉ. ममता शर्मा एवं डॉ. रमा शर्मा और सह संयोजक श्री गौरव यादव रहेंगे। इस विमोचन में लॉ स्कूल के अन्य संकाय सदस्य, डॉ. अक्षय कुमार सिंह, डॉ. प्रकाश चंद्र दिलारे, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. सतीश चंद्रा, डॉ. संतोष कुमार तिवारी, डॉ. चंद्रभानु भरास, डॉ. सुमित्रा हुईड्रोम, डॉ. विक्रम करुणा उपस्थित रहे।

****

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के समय सीटीओ डॉ.भावना जोशी के साथ एनसीसी कैडेट्स

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-128) में एनसीसी कैडेट्स की प्रतिभागिता : 18 जून से 27 जून तक ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) के गौर इंटरनेशनल स्कूल में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-128) का आयोजन किया गया था। शिविर में स्कूल-कॉलेजों के 625 कैडेट्स शामिल हुए। जिसमें गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के 31 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी कैडेट्स ने भी भाग लिया था।

शिविर के पहले दिन कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संजय सूद ने अपने प्रेरक शब्दों से कैडेट्स को संबोधित किया। शिविर के दौरान जीबीयू के कैडेट्स का नेतृत्व सार्जेंट सुहानी और कॉरपोरल सुरुचि बालियान द्वारा किया गया। ग्रुप कमांडर, गाजियाबाद के स्वागत समारोह के दौरान कॉरपोरल कुहेली सरेन गार्ड ऑफ ऑनर और कैडेट विधि नागर पायलेटिंग टीम का हिस्सा रहीं। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने हथियार प्रशिक्षण, पेंटिंग, समूह नृत्य, समूह गीत, एकल गायन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और साथ ही सीएटीसी शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न थल सैनिक शिविर चयन गतिविधियों में भी भाग लिया। विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि 'थल सैनिक कैंप के लिए चयन होना' रही।

सार्जेंट आरुषि शर्मा और लांस कॉर्पोरल स्वाति तंवर का जजिंग डिस्टेंस श्रेणी में इंटर बटालियन टीएससी कैंप के लिए तथा कैडेट विधि नागर का बाधा प्रशिक्षण श्रेणी में इंटर बटालियन टीएससी कैंप के लिए चयन हुआ। कर्नल संजय सूद और सूबेदार मेजर महावीर सिंह ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की सीटीओ डॉ.भावना जोशी की उपस्थिति में सार्जेंट आरुषि शर्मा, लांस कॉर्पोरल स्वाति तंवर और कैडेट विधि नागर को पदक देकर सम्मानित किया। जीबीयू के कैडेट्स ने ड्रिल प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस वार्षिक शिविर में सीटीओ डॉ. भावना जोशी ने दस दिन साथ रह कर सभी एनसीसी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया और कैडेटों ने भी एनसीसी के प्रति अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण को साबित किया।

****

सैमसंग इनोवेशन कैंपस' कार्यक्रम के दूसरे सीज़न के लॉन्च के अवसर पर

'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' कार्यक्रम का दूसरा सीज़न लॉन्च : 19 जून को सैमसंग इंडिया ने गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में अपने 'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' कार्यक्रम का दूसरा सीज़न लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी और ब्लॉकचेन जैसे तकनीकी डोमेन में 400 युवाओं को प्रशिक्षित करना है। यह कार्यक्रम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने और सार्थक परिवर्तन लाने पर केंद्रित है। इस अवसर पर सैमसंग इंडिया के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी, चीफ मैनेजर श्री समरद्र प्रकाश ने कहा कि सैमसंग इनोवेशन कैंपस के माध्यम से हम कौशल-आधारित शिक्षा का एक मंच बना रहे हैं जो छात्रों को कौशल प्रदान करेगा और भविष्य के तकनीकि डोमेन में नौकरी के अवसर पैदा करेगा।

इस कार्यक्रम में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, सैमसंग सुविधाओं का दौरा और चल रही परियोजनाओं में भागीदारी प्रदान की जाएगी। वर्तमान में जीबीयू की सभी इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग शाखाओं के 200 से अधिक छात्र तीन महीने की अवधि के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, इस सैमसंग इनोवेशन कैंपस में भाग लेने के लिए छात्रों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। यह विदित है कि माइक्रोसॉफ्ट और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसे प्रौद्योगिकी दिग्गज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उत्कृष्टता केंद्र के भागीदार के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर जीबीयू कैंपस में आर एंड डी लैब स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा ने कॉर्पोरेट की इन पहलों की सराहना की है और कहा है कि ये पहल उद्योग और शिक्षा जगत के बीच दूरी को पाटेंगी और छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगी।

****

अंजना वेलफेयर सोसायटी तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन के अवसर पर प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

भारतीय शास्त्रीय संगीत और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने हेतु समझौता ज्ञापन : 20 जून को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और अंजना वेलफेयर सोसायटी ने छात्रों के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समझौता-ज्ञापन किया गया। सुश्री मर्यादा कुलश्रेष्ठ द्वारा स्थापित अंजना वेलफेयर सोसायटी युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। संस्थान ने भारतीय धरोहर के लिए समर्पित विभिन्न कदम उठाए हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने समझौते के प्रति आशा व्यक्त किया और कहा कि इस समझौते का बहुआयामी उद्देश्य है। उन्होंने छात्रों में सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा "यह समझौता छात्रों के लिए आगामी शैक्षिक सत्रों में भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रमाण पत्र और डिप्लोमा के पाठ्यक्रमों के रूप में उपयोगी होगी"। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने भारत सरकार द्वारा भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने वाली पॉलिसी की सराहना करते हुए कहा "यह साझेदारी विश्वविद्यालय के कुलपति जी का ब्रेन चाइल्ड है, यह समझौता विश्वविद्यालय के छात्र समुदाय के बीच हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित और प्रसारित करने के राष्ट्रीय प्रयासों से मेल भी खाती है"। शैक्षणिक अधिष्ठाता एन.पी.मलकानिया ने कहा कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और अंजना वेलफेयर सोसायटी वर्कशॉप्स, शिक्षा-अध्ययन कक्षाओं एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने संबंधी शैक्षिक मुद्दों पर एकजुट हैं। इस अवसर पर डॉ. इंदु उप्रेती, डीन प्लानिंग और रिसर्च के साथ ही विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण एवं समिति सदस्य तथा सुश्री मर्यादा कुलश्रेष्ठ और अंजना वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधि मौजूद रहें।

****

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग करते हुए
कुलपति रवीन्द्र कुमार सिंहा तथा अन्य

10वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: 21 जून को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के खेल परिषद द्वारा कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिंहा के नेतृत्व में एक भव्य समारोह के साथ 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक डॉ. जितेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को योगासन की श्रृंखला के माध्यम से नेतृत्व किया। जिसमें शारीरिक लचीलेपन, मानसिक स्पष्टता और समग्र कल्याण को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान आदि शामिल रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर जोर देते हुए कहा, “प्राचीन भारत का एक उपहार योग है। इसका अभ्यास केवल शारीरिक व्यायाम के बारे में नहीं है, बल्कि जीवन में सद्भाव और संतुलन हासिल करने का एक साधन है।” इस कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी सहित कई प्रमुख संकाय सदस्य प्रो. संजय कुमार शर्मा, डॉ. विवेक कुमार मिश्र, डॉ. सी.एस.पासवान, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. विवेक कुमार शुक्ला, डॉ. विमलेश, डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. उपमा सिंह एवं डॉ. प्रतीक्षा सक्सेना आदि ने भाग लिया।

****

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय तथा आईबीएम के बीच समझौता के अवसर पर

समझौता-ज्ञापन : 21 जून को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय तथा आईबीएम तथा आईबीएम के डिलेवरी सहयोगी के साथ समझौता-ज्ञापन हुआ। पहला समझौता बी.टेक. तथा मैनेजमेंट के छात्रों, फेकल्टी एवं स्टाफ के लिए करियर एजुकेशन प्रोग्राम तथा दूसरा समझौता शिक्षा प्रदान करने हेतु आईबीएम के डिलेवरी पार्टनर ऑफ आईबीएम कॉग्निटेल ट्रेनिंग सर्विसेज़ प्रा.लिमिटेड, गुरूग्राम के साथ हुआ।

****

आईटेप कार्यशाला में बायें से डॉ. शशिकला वंजारी,
डॉ. केशांग वाई शेर्पा एवं डॉ. पंकज अरोड़ा

एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम पर राष्ट्रीय संवेदनीकरण कार्यशाला : 28-29 जून को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के सहयोग से दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी), शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) और नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) पर केंद्रित रहा। 28 जून को राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परिषद (एनसीटीई) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य शैक्षिक संस्थानों में आईटेप के गहरे बोध और कार्यान्वयन को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर श्री संजय कुमार, सचिव, शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार; प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय; प्रो. पंकज अरोड़ा, एनसीटीई के अध्यक्ष; प्रो. शशिकला वंजारी, कुलपति, नाईपा; और श्रीमती केसांग वांजरी, एनसीटीई की सदस्य सचिव, डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय; प्रो. एन.पी.मलकानिया, शैक्षणिक अधिष्ठाता, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय; प्रो. बंदना पाण्डेय, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय उपस्थित रहें ।

प्रो. पंकज अरोड़ा ने अपने वक्तव्य में आईटेप की परिवर्तनात्मक दृष्टि पर जोर दिया तथा इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ संरेखित करते हुए कहा कि 2020 से आईटेप को 42 संस्थानों ने 4 वर्षीय एकीकृत बीएड कार्यक्रम के रूप में अपनाया है, जबकि 2024 में इसे और 22 संस्थानों में शुरू करने की योजना है। इस कार्यक्रम का मुख्य ध्यान समावेशी शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणालियों और आधुनिक शिक्षण-शिक्षा विधियों पर है, जो शिक्षा के विभिन्न दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मुख्य अतिथि श्री संजय कुमार ने शिक्षकों की भूमिका को आधुनिक परिवर्तनों के साथ अनुकूलित करने और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए भारत के युवा जनसांख्यिकी विशेषाधिकार की प्रशंसा की और एनईपी 2020 में पूर्णता शिक्षा और अन्तर्विष्ठि पहलुओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। एनसीटीई की सदस्य सचिव श्रीमती केसांग वाय. शेरपा ने आईटेप में बहु-विषयक शिक्षा के महत्व को उजागर किया, इसे अपने सहयोग से रीहेविलिटेसन काउंसिल ऑफ इंडिया (आरसीआई) के साथ और शिक्षा का व्यापारीकरण नहीं होने देने संबंधी विषय पर चिंतन किया।

मान्य अतिथि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने विभिन्न क्षेत्रों में आईटेप के प्रस्तावित उपयोग की सराहना की और शिक्षा पेशेवरी को आकर्षक और विश्वसनीय बनाने के लिए विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और बेहतर प्रोत्साहन प्रदान करने की सलाह दी। नाईपा के उपाध्यक्ष प्रो. शशिकला वंजारी ने एनईपी 2020 के सिद्धांतों का पालन करते हुए अन्यता-सम्मिलित शिक्षा का महत्व और नीति के उद्देश्यों के साथ समर्थन दिया। सभी भागीदारों और सहयोगियों के योगदान के लिए एनसीटीई के शिक्षाविद सलाहकार श्री डी.के. चतुर्वेदी ने धन्यवाद दिया। आईटेप पर राष्ट्रीय संवेदनीकरण कार्यशाला ने भारत में शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो शिक्षा के भविष्य को आकार देने के लिए समर्थन और सहयोग को बढ़ावा देता है।

दीप प्रज्वलन के समय की झलकी

29 जून को राष्ट्रीय मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) और राष्ट्रीय पेशेवर मानक शिक्षकों (एनपीएसटी) के विषय में संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, शिक्षा संस्थान के कुलपति प्रो. शाशिकला वंजारी, एनसीटीई की अध्यक्ष डॉ. मीना राजीव चंदावरकर, एनसीटीई के प्रमुख डॉ. दिव्यज्योति महंता, एनसीटीई की सदस्य सचिव श्रीमती केसांग वाई शेर्पा उपस्थित रहें।

रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में शिक्षा प्रणाली में एनएमएम और एनपीएसटी के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए शिक्षा और प्रशासन में अपने जीवन अनुभवों के आधार पर इसके महत्व को समझाया और उन्होंने एनईपी 2020 के उद्देश्यों के साथ इसे जोड़ते हुए कहा कि करियर में आगे बढ़ने के लिए केवल समय नहीं, बल्कि कौशल और ज्ञान का विकास भी महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि ने एनपीएसटी के मुख्य उद्देश्य को समझाते हुए शिक्षकों के लिए उन्नति और प्रेरणा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों को मापने के लिए मानकों की आवश्यकता पर बात की।

कार्यक्रम के समापन के समय गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने एनसीटीई के सदस्य सचिव श्रीमती केसांग वाई शेर्पा, शिक्षा संस्थान की कुलपति प्रो. शाशिकला वंजारी, एनसीटीई की अध्यक्ष डॉ. मीना राजीव चंदावरकर एवं एनसीटीई के प्रमुख डॉ. दिव्यज्योति महंता को सम्मानित किया।

इस अवसर पर देश के कई संस्थानों से पधारे शिक्षकगण तथा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के डॉ. विनोद शनवाल, डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव, सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज के प्रमुख डॉ. विवेक मिश्रा, अंतर्राष्ट्रीय मामले डॉ. अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य सदस्यगण लाभान्वित हुए ।

****

पीएच.डी. : मई-जून माह में स्कूल ऑफ बुद्धिष्ट स्टडीज़ एवं सिविलाइजेशन के शोध-छात्र हे थी किम ची तथा राजेश कुमार राय, स्कूल ऑफ बायोटेक्नॉलॉजी की पल्लवी बनर्जी, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विनीत कुमार, स्कूल ऑफ अप्लाइड साइंस के आलोक सिंह, स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एंड गवर्नेन्स की भाव्या शर्मा को पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई ।

****

पेटेंट : इलेक्ट्रिकल विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निधि सिंह को 'एन इलेक्ट्रिकल सोल्युशन फॉर कीलिंग लोकस्ट' के अविष्कार के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ । यह डॉ. निधि सिंह का एक साल के अंदर तीसरा पेटेंट है ।

डॉ. निधि सिंह

****

प्लेसमेंट : मई-जून, 2024 में मुथूट ग्रुप और वीएक्सएल फार्मा ने कैंपस ड्राइव का आयोजन किया था, जिसमें 40 से अधिक छात्रों को नौकरी मिली । बीटेक (आईटी) के छात्र हरह राघव को 20.75 एलपीए के वेतन पैकेज पर ग्रो में प्लेसमेंट, एमएससी (भौतिकी), एमएससी (रसायन) और बीटेक (मैक इंजीनियरिंग) के आठ छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्लेसमेंट, कूपरहीट, सऊदी अरब में प्लेसमेंट, इसके अलावा कंप्लायंस क्वेस्ट, बर्जर पेंट्स, एप्विन सॉफ्टवेयर, तोशो इंडिया, फीनिक्स लैंप्स, मैनिटौ इक्विपमेंट इंडिया प्राइवेट में प्लेसमेंस हुआ । इसके अतिरिक्त मास्टर ऑफ सोशल वर्क (2022-24) की छात्रा मायुखी शैकिया तारा चाइल्ड प्रोटक्शन एंड एम्पावरमेंट में चिल्ट वेलफेयर ऑफिसर तथा पूनम सक्सेना का स्माइल फाउंडेशन का प्रोग्राम मैनेजर के रूप में प्लेसमेंट हुआ ।

****

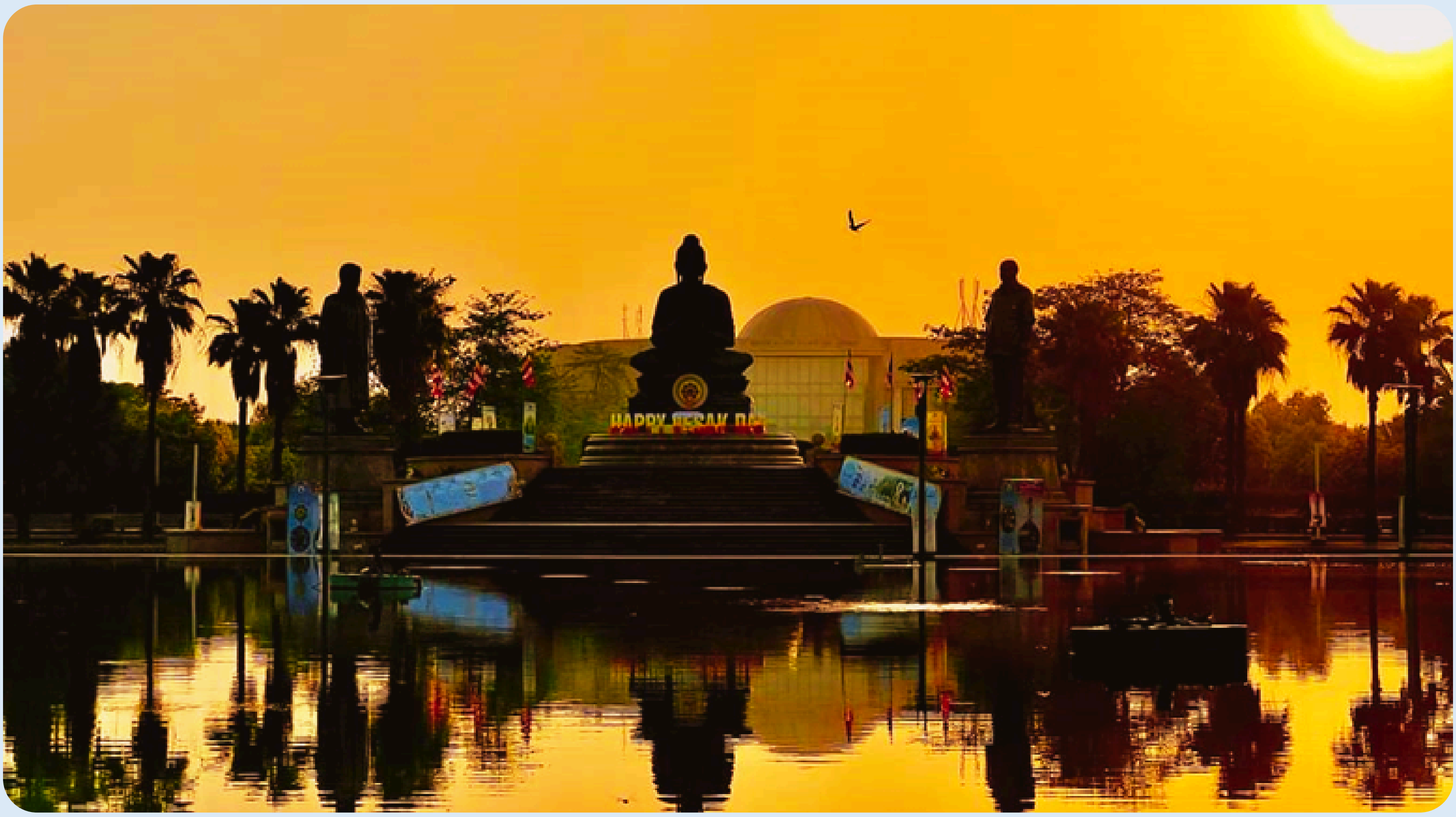

<u>संपादकीय-मंडल</u>

प्रमुख संरक्षक : प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

संरक्षक : डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

मुख्य संपादक : प्रो. बंदना पांडेय, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

संपादक : डॉ. रेनू यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

डिज़ाइनिंग: श्री राजकुमार, तकनीकी अधीक्षक, सीसीसी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

शिक्षणेत्तर सहयोगी : अमित, कार्यालय सहायक, कुलपति ऑफिस, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

नोट : यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु सूचना मात्र है, न कि कानूनी दस्तावेज़ ।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
नियर यमुना एक्सप्रेस-वे, ग्रेटर नोएडा
गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201312 (भारत)
फ़ोन नं.: 0120-2344200